KENDRIYA VIDYALAYA NO. 1 GCF, JABALPUR

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक .1 जीसीएफ, जबलपुर

NEWSLETTER 2019-20

अरविन्द सिंह ठाकुर
प्राचार्य

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि संपूर्ण भारत के केंद्रीय विद्यालयों में एकता के भाव को समेटे हुए 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' जैसे कार्यक्रम की शुरुआत हुई है। इस कार्यक्रम ने हमारे विद्यार्थियों के बीच भावनात्मक एकता के परंपरागत ताने-बाने को और भी मजबूत बनाया है।

'अनेकता में एकता भारत की विशेषता' जैसे विशाल भाव को अपने में समेटे हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम निश्चित ही हमारे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में पथ प्रदर्शक होगा|

योगेश कुमार पाण्डेय
उपप्राचार्य

एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 जीसीएफ, जबलपुर में माहवार निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया गया । इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना, राष्ट्रीय एकता की भावना जागृत करना एवं भारतीय सभ्यता, संस्कृति से उन्हें अवगत कराना है । इसमें फिट इंडिया,समग्र शिक्षा, जल सुरक्षा , सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग अब नहीं, प्रश्नोत्तर, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषा संगम और स्वच्छ भारत जैसे कार्यक्रम शामिल है।

भाषा संगम कार्यक्रम: भाषाई विविधता का उत्सव

भाषा संगम में भाषाओं को सिखाने के लिए प्रोजेक्ट चलाया गया है | इसमें कक्षा पहली से कक्षा बारहवीं तक के छात्रों को शामिल किया गया|.

भाषा संगम कार्यक्रम का उद्देश्य

भाषा संगम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के तहत एक पहल है, जिसका उद्देश्य छात्रों को हमारे देश की अद्वितीय सांस्कृतिक, जातीय और भाषाई विविधता से अवगत कराना है।

हमारे देश के अनूठे चरित्र का जश्न मनाने के लिए, भाषा संगम भारतीय भाषाओं में छात्रों को बहुभाषी प्रदर्शन प्रदान करने के लिए स्कूलों और शैक्षिक संस्थानों को एक अवसर प्रदान करता है। भाषा संगम कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया | इसमें कक्षा पहली से कक्षा बारहवीं तक के छात्रों को शामिल किया गया| प्रात:कालीन प्रार्थना सभा में भाषा संगम कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए|प्रत्येक सप्ताह एक भाषा का चयन कर उस राज्य की वेशभूषा धारण कर विद्यालय के बच्चों ने मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए |

इस कार्यक्रम का बच्चों पर बहुत ही सकारात्मक प्रभाव पड़ा | छात्रों में भाषा कौशल निश्चित रूप से उनके कैरियर का निर्माण करने में मदद करेगा और देश में कहीं भी संबंधित राज्यों की विविध भाषाओं पर एक अच्छी जानकारी रखने के लिए उनके अंदर आत्मविश्वास पैदा करेगा।भाषा संगम हमारे देश की भाषाओं की अनूठी संस्कृति का एक प्रतीक है और भारत के लिए हमारे साझा सपनों, आशाओं और आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति है।निश्चित ही विद्यार्थियों में सभी भाषा के प्रति आदर भाव जागृत हुआ |

समूह नृत्य - स्वतंत्रता आंदोलन

समूह नृत्य का उद्देश बच्चो में देश भक्ति की भावना जागृत करना | स्वतंत्रता आंदोलन में गांधी जी के योगदान से प्रेरित होना |

एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अंतर्गत निर्धारित माहवार कार्यक्रमों के अनुसार जनवरी माह में 26 जनवरी, 2020 को केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 जीसीएफ जबलपुर के विद्यार्थियों द्वारा गांधीजी द्वारा देश की स्वतंत्रता हेतु किए गए महत्वपूर्ण आंदोलनों को नृत्य के माध्यम से दिखाया गया । इस नृत्य में 85 विद्यार्थियो ने सहभागिता की।यह नृत्य देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत थी।

प्रभाव- स्वतंत्रता आंदोलन पर आधारित नृत्य प्रस्तुत करने का प्रभाव बच्चों पर बहुत ही सकारात्मक पड़ा | बच्चों में देशभक्ति की भावना जागृत हुई। स्वतंत्रता हेतु गांधी जी के प्रयासों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी प्राप्त हुई। देश के कर्तव्य के प्रति सजग एवं संगठन की शक्ति के महत्व से अवगत हुए।

लोकगीत - नागालैंड सभ्यता एवं संस्कृति

लोकगीत मानव जीवन की अनुभूति और अभिव्यक्ति है। लोकगीत एक ऐसा स्वच्छ दर्पण है, जिसमें समाज के व्यक्त जीवन का प्रतिबिंब दिखाई पड़ता है। लोक गीत ही लोक जीवन की वास्तविक भावनाओं को प्रस्तुत करता है। एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत फरवरी माह में केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 जीसीएफ जबलपुर के बच्चों ने नागालैंड लोकगीत की मनमोहक प्रस्तुति दी। यह लोकगीत नागालैंड सभ्यता एवं संस्कृति को दर्शाता है |इस लोकगीत की प्रस्तुति प्रातः कालीन प्रार्थना सभा में की गई। इस लोकगीत में विद्यालय के 7 विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता दी।

प्रभाव- प्रार्थना सभा में लोकगीत का आयोजन होने के कारण विद्यालय के सभी बच्चों ने इसमे निहित मिठास का आनंद लिया। इस लोक गीत के माध्यम से नागालैंड की सभ्यता , संस्कृति एवं लोक जीवन से भी बच्चे भली-भांति अवगत हुए।

पेंटिंग प्रतियोगिता - जल संरक्षण

जल संरक्षण का अर्थ है जल के प्रयोग को घटाना एवं सफाई, निर्माण एवं कृषि आदि के लिए अवशिष्ट जल का पुनःचक्रण (रिसाइक्लिंग) करना। जल है तो जीवन है इसलिए धरती पर जीवन के अस्तित्व को बनाये रखने के लिये जल का संरक्षण और बचाव बहुत जरूरी होता है | इसी भावना से प्रेरित होकर केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 जीसीएफ जबलपुर के विद्यार्थियों ने पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया |पेंटिंग का विषय था -'जल संरक्षण'|

बच्चों ने उत्साहपूर्वक पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया|

इस प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों ने जल संरक्षण के महत्त्व को समझा |

धरती इकलौता अकेला ऐसा ग्रह है जहाँ पानी और जीवन मौजूद है।

पानी की जरुरत जीवन भर है इसलिये इसको बचाने के लिये केवल हम ही जिम्मेदार हैं,ऐसे मनोभाव बच्चों में जागृत हुए |

बच्चों ने सुरक्षित भविष्य के लिए जल संरक्षण की आवश्यक एवं महत्ता को समझा |यह भी जाना कि जल का कोई विकल्प नहीं |